shardhanjali1:arunjaity.qxd 9/26/2010 8:13 PM Page 65

नानाजी के निधन से सामाजिक क्षेत्र में उत्पन्न शून्य को सभी ओर महसूस किया गया। नानाजी का आभामंडल इतना विस्तृत था कि राजनीतिक, सामाजिक, उद्योग जगत सहित सभी क्षेत्रों से उन्हें श्रद्धांजलियां अर्पित की गईं। बहुत-से लोगों ने तो स्वयं उपस्थित होकर नानाजी को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और बहुत-से जो नहीं आ सके, उन्होंने लिख कर अपने उद्‌गार व्यक्त किए .....

राष्ट्र ऋषि नानाजी

नाना देशमुख
11 अक्तूबर 1916– 27 फरवरी 2010

नाना, तुझे प्रणाम